

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME  
(BDP PHILOSOPHY)**

**Term-End Examination**

**June, 2022**

**ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY**

**BPY-007 : ETHICS**

*Time : 3 hours*

*Maximum Marks : 100*

---

**Note :** Answer all **five** questions. All questions carry equal marks. Answers to questions no. **1** and **2** should be in about 400 words each.

---

- 1.** Define ethics. Explain its nature, scope and the importance of studying ethics. 20

**OR**

Discuss the ethics of Swami Vivekananda. 20

- 2.** What do you mean by human act ? Explain the constituent elements and the impediments for human acts. 20

**OR**

What is the meaning of the term terrorism ? Discuss its causes and consequences in the context of ethics. 20

3. Answer any **two** of the following questions in about 200 words each :
- (a) Explain the importance of Aquinas' moral theory. 10
  - (b) What is abortion ? Explain the different types and methods of it. 10
  - (c) Bring out the differences between Plato's and Aristotle's conception of Virtue. 10
  - (d) Explain the characteristic features of contemporary approach to normative ethics. 10
4. Answer any **four** of the following questions in about 150 words each :
- (a) Explain the nature of virtue ethics. 5
  - (b) What is the role of religion in developing moral disciplines ? 5
  - (c) Explain briefly the ethics of Amartya Sen. 5
  - (d) What are the important teleological theories of ethics ? 5
  - (e) Briefly explain the causes of violence. 5
  - (f) Describe the ethical implications of euthanasia. 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about 100 words each :

- |  |   |
|--|---|
| (a) Virtues in Islam                                 | 4 |
| (b) Metaethics                                       | 4 |
| (c) Hedonism   | 4 |
| (d) Suicide  | 4 |
| (e) Five Ethical Vows of Jainism                     | 4 |
| (f) Ethics through Aesthetics                        | 4 |
| (g) Pythagorean Ethics                               | 4 |
| (h) Characteristics of Ethics in Medieval Philosophy | 4 |
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम  
(बी.डी.पी. दर्शनशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2022

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र  
बी.पी.वाई.-007 : नीतिशास्त्र

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।  
प्रश्न सं. 1 और 2 के उत्तर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में होने चाहिए।

1. नीतिशास्त्र को परिभाषित कीजिए। नीतिशास्त्र के अध्ययन की प्रकृति, विषय-क्षेत्र और महत्त्व की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

स्वामी विवेकानन्द के नीतिशास्त्र की विवेचना कीजिए। 20

2. आप मानव-कृत्य से क्या समझते हैं ? मानव-कृत्यों के संघटक तत्त्वों एवं अवरोधकों की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

आतंकवाद शब्द का क्या अर्थ है ? नीतिशास्त्र के सन्दर्भ में इसके कारणों और परिणामों का विवरण दीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :
- (क) एकवीनास के नैतिक सिद्धान्त के महत्त्व की व्याख्या कीजिए । 10
- (ख) गर्भपात क्या है ? इसके विभिन्न तरीकों एवं पद्धतियों की व्याख्या कीजिए । 10
- (ग) प्लेटो एवं अरस्तु के सदगुण के प्रत्यय के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए । 10
- (घ) नियामक नीतिशास्त्र की समकालीन दृष्टि के विशिष्ट लक्षणों की व्याख्या कीजिए । 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :
- (क) सदगुण नीतिशास्त्र की प्रकृति की व्याख्या कीजिए । 5
- (ख) नीतिशास्त्र के विकास में धर्म की भूमिका क्या है ? 5
- (ग) अमर्त्य सेन के नीतिशास्त्र की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए । 5
- (घ) नीतिशास्त्र के महत्त्वपूर्ण उद्देश्यवादी सिद्धान्त कौन-से हैं ? 5
- (ङ) हिंसा के कारणों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए । 5
- (च) इच्छा-मृत्यु के नैतिक निहितार्थों का वर्णन कीजिए । 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

- |   |   |
|---|---|
| (क) इस्लाम में सदगुण                                | 4 |
| (ख) अधिनीतिशास्त्र                                  | 4 |
| (ग) सुखवाद  | 4 |
| (घ) आत्महत्या                                       | 4 |
| (ङ) जैन धर्म के पाँच नैतिक व्रत                     | 4 |
| (च) सौन्दर्यशास्त्र के माध्यम से नीतिशास्त्र        | 4 |
| (छ) पाइथागोरसवादी नीतिशास्त्र                       | 4 |
| (ज) मध्यकालीन दर्शनशास्त्र में नीतिशास्त्र के लक्षण | 4 |
-